

DROUGHT IN ANDHRA PRADESH

*115. SHRI ESWARA REDDY : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there has been severe drought in several areas of Andhra Pradesh this year;

(b) the extent of damage caused to crops due to droughts;

(c) whether the State Government have asked for Central assistance for drought relief work;

(d) if so, the nature and extent of assistance asked for; and

(e) the nature and extent of assistance so far given in this respect ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE): (a) Yes, Sir.

(b) The extent of damage to crops has been estimated to be from 30% to 70% in the various areas.

(c) to (e). A Central Team visited Andhra Pradesh in March, 1968, and again in September, 1968. The Team has assessed the financial requirements of the State for relief operations as Rs. 12.55 crores up to March, 1969. This is exclusive of a sum of Rs. 5.5 crores which the State Government could utilise from their Plan and non-Plan funds for organisation of relief works. Against a ceiling expenditure of Rs. 12.55 crores recommended by the Team, a sum of Rs. 7.50 crores has already been made available by the Central Government to the State Government. Further releases of funds will take place as and when required by the State Government.

गोहत्या के विरुद्ध आन्दोलन

* 116. श्री शिव कुमार शास्त्री :

श्री बंश नारायण सिंह :

श्री रामगोपाल शालवाले :

क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि गो-हत्या पर प्रतिबन्ध लगाने तथा गो-संवर्धन के प्रश्न पर विचार करने के लिये नियुक्त की गई समिति के कार्य से निराशा उत्पन्न होने के परिणामस्वरूप अखिल भारतीय स्तर पर गो-रक्षा के लिये एक नया आन्दोलन आरम्भ करने का प्रस्ताव है; और

(ख) यदि हां, तो उसके बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्दे): (क) एक नया आन्दोलन शुरू करने के विषय में सरकार को सर्वदलीय गो-रक्षा महाभियान समिति की ओर से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। परन्तु बताया जाता है कि 1 नवम्बर 1968 को दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में पुरी के श्री जगतगुरु शंकराचार्य ने कहा था कि कुछ राज्यों में होने वाले मध्य अवधि चुनाव के कारण गोहत्या के विरुद्ध आन्दोलन फरवरी 1969 तक स्थगित कर दिया गया है।

(ख) 5 अक्टूबर 1968 को श्री जगतगुरु शंकराचार्य, सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति को एक पत्र लिखा गया है कि सरकार गोरक्षा समिति की कार्यवाही में समिति के प्रतिनिधियों के आगामी सक्रिय सहयोग का स्वागत करेगी। इस सम्बन्ध में पत्र की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।

REPRESENTATION FROM THE CENTRAL LABOUR ORGANISATIONS

*117. SHRI RABI RAY : Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that he has received a joint letter from the leaders of Central Labour Organizations to prevent the unprecedented and continuing unjustified repression of the Central Government employees; and